बदहाली | मई, जून और जुलाई भी बीते, फिर भी नहीं जागा विभाग

परसवाड़ा-बैहर मार्ग पर जोखिम के बीच सफर को मजबूर लोग

नवभारत , परसवाड़ा। करीब 31 किलोमीटर लंबे परसवाड़ा-बैहर राज्यमार्ग-48 की बदहाली को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बावजूद जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। मई, जून और अब जुलाई माह भी लगभग समाप्ति की ओर है, लेकिन सड़क निर्माण तो दूर, बारिश में जानलेवा बन चुके बड़े-बड़े गड्ढों तक को नहीं भरा जा सका है। हालात ऐसे हैं कि इस मार्ग पर सफर करना अब जान जोखिम में डालने जैसा बन गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की दुर्दशा को लेकर लगातार समाचार प्रकाशित होने के बाद भी विभाग गंभीर नहीं हुआ। स्थानीय मीडिया द्वारा इस मुद्दे को लगातार उठाया गया, बैहर और परसवाड़ा एसडीएम से चर्चा की गई तथा सोशल मीडिया के माध्यम से जिला कलेक्टर मृणाल मीणा तक भी पूरी स्थिति पहुंचाई गई। इसके बावजूद जुलाई माह बीतने को है और सड़क की हालत जस की तस बनी हुई है। परसवाड़ा-बैहर मार्ग पर जगह-

जगह बने गहरे गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से सड़क पूरी तरह खतरनाक हो गई है। कई स्थानों पर यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां है और गड्ढा कहां। सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों, किसानों, व्यापारियों, स्कूली विद्यार्थियों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोगों को हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रात्रिकालीन सफर इस सड़क पर किसी जोखिम से कम नहीं है। सामने से आ रहे वाहनों की रोशनी और पानी से भरे गड्ढों के कारण दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। राहगीरों का कहना है कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर भी उठने लगे सवाल

क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क की दुर्दशा पर संबंधित विभाग तो मानो गहरी नींद में है, वहीं जनप्रतिनिधियों की सक्रियता भी दिखाई नहीं दे रही। लोगों का कहना है कि इतनी गंभीर समस्या के बावजूद यदि सड़क निर्माण को लेकर लगातार प्रभावी पहल नहीं हो रही है, तो यह क्षेत्र की उपेक्षा को दर्शाता है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि वर्षों से जर्जर इस मार्ग पर समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

एसडीएम ने एमपीआरडीसी अधिकारियों से मांगी जानकारी

बीते दिनों स्थानीय मीडियाकर्मियों ने एक बार फिर बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता और परसवाड़ा एसडीएम शिरीष प्यासी के समक्ष सड़क की गंभीर स्थिति का मुद्दा उठाया। इस पर बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) के जीएम निलेश बर्वे से दूरभाष पर चर्चा की। चर्चा के दौरान यह जानकारी सामने आई कि निर्माण एजेंसी को संभवत: निर्माण सामग्री उपलब्ध होने में कठिनाई आ रही है। हालांकि एसडीएम ने स्पष्ट कहा कि सड़क निर्माण में हो रही देरी के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया जाएगा और वस्तुस्थिति स्पष्ट कराई जाएगी कि आखिर निर्माण कार्य अब तक शुरू क्यों नहीं हो सका।

सिर्फ आश्वासन, जमीन पर नहीं दिखा काम

क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण को लेकर कई बार आश्वासन दिए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका असर दिखाई नहीं दिया। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते सड़क के बड़े गड्ढों की भी मरम्मत कर दी जाती, तो बारिश के मौसम में इतनी परेशानी नहीं होती।

अब ठोस कार्रवाई की मांग

राहगीरों और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय करते हुए सड़क निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराया जाए। साथ ही जब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होता, तब तक बड़े गड्ढों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से भरकर मार्ग को सुरक्षित बनाया जाए। लोगों का कहना है कि यह मार्ग केवल परसवाड़ा और बैहर को ही नहीं जोड़ता, बल्कि दर्जनों गांवों की जीवनरेखा है।

500 करोड़ घोटाले का मास्टरमाइंड सोमेंद्र गिरफ्तार

डबल मनी कांड : 7 साथियों को भी भेजा गया जेल

नवभारत न्यूज बालाघाट। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित डबल मनी घोटाले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए बालाघाट पुलिस ने करीब 500 करोड़ रुपये के निवेश घोटाले के मास्टरमाइंड और फरार आरोपी सोमेंद्र कंकराने को उसके 7 साथियों सहित हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले करीब तीन वर्षों से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ न्यायालय से वारंट भी जारी था।

पुलिस के अनुसार, सोमेंद्र कंकराने पर निवेशकों को उनकी रकम दोगुनी करने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने के 63 मामले दर्ज हैं। सभी आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए देश के अलग-अलग धार्मिक शहरों में पहचान छिपाकर रह रहे थे। यह मामला वर्ष 2022 में सामने आया था, जब बालाघाट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोमेंद्र कंकराने समेत अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उस दौरान पुलिस ने 13 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, 32 से अधिक बैंक खातों में जमा करीब 11 करोड़ रुपये, तथा 45 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को जब्त और सीज किया था।

गिरफ्तारी के बाद सोमेंद्र कंकराने को जमानत मिल गई थी, लेकिन बाद में हाईकोर्ट ने उसकी जमानत रद्द कर दी। इसके बावजूद वह फरार हो गया और लगातार अदालत में पेश होने से बचता रहा। उसके वकील के माध्यम से तारीखें बढ़ाई जाती रहीं, जिससे हजारों निवेशकों से जुड़े मामलों की सुनवाई लंबित रही।

हरिद्वार से दबोचा गया आरोपी

आखिरकार तकनीकी और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने हरिद्वार में दबिश देकर सोमेंद्र कंकराने और उसके 7 साथियों को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी के बाद उन लोगों को थोड़ी उम्मीद लगी है कि शायद उनका मूलधन उन्हें वापस मिल जाए।

एक नजर में

बैहर एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार परसवाड़ा एसडीएम को सौंपा गया

नवभारत न्यूज बैहर। कलेक्टर मृणाल मीना ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था को देखते हुए एसडीएम बैहर का अतिरिक्त प्रभार श्रीश प्यासी को सौपने के आदेश जारी किये है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बैहर अर्पित गुप्ता को नई दिल्ली के द्वारका स्थित भारतीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निर्देशित किया गया है। यह प्रशिक्षण 20 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक आयोजित होगा। प्रशिक्षण में शामिल रहने के दौरान बैहर अनुविभाग के प्रशासनिक एवं राजस्व कार्य प्रभावित न हों, इसके लिए कलेक्टर मीना द्वाराअनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), परसवाड़ा श्रीश प्यासी को अपने वर्तमान कार्यों के साथ-साथ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बैहर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

शुभम शर्मा बने एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष

नवभारत न्यूज बालाघाट। विगत कई वर्षों से छात्र राजनीतिबके साथ कांग्रेस के

हर आंदोलन कार्यक्रम में बाद चढ़ कर सक्रिय भूमिका निभाने वाले एवं कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव के भतीजे शुभम शर्मा को आखिरकर लंबे जद्दोजहद के बाद कल एनएसयूआई का जिला अध्यक्ष घोषित कर दिया गया । शुभम की नियुक्ति के बाद कल ही जिला कांग्रेस कार्यालय में उनके सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया ओर उनको बधाई के साथ उज्जवल भविष्य स्वस्थ्य सुखद खुशहाल जीवन जीने हेतु शुभकामनाएं अर्पित किया गया ।इस अवसर पर शुभम ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दिया गया है उसका वे पूरी निष्ठा ईमानदारी ओर लगन से पालन करेंगे । इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बिसेन, मध्य प्रदेश कांग्रेस से कमेटी सचिव अनूप सिंह , नगर पालिका अध्यक्ष भीम फूलसूंगे, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी , पूर्व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रहीम खान , राष्ट्रीय महिला कांग्रेस कोऑर्डिनेटर अंजू जैस्वाल , जिला कांग्रेस कमेटी वरिष्ठ नेता सुशील पालीवाल , कैलाश साहू, पूर्व कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव जुगल शर्मा, सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही ।

डायरिया रोको अभियान :10 गांवों में हैंडपंपों का सुधार

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में संचालित डायरिया रोको अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) द्वारा विभिन्न विकासखंडों के गांवों में पेयजल स्रोतों को सुरक्षित बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है । इस अभियान के अंतर्गत सोमवार 20 जुलाई को 10 गांवों में खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत की गई तथा सभी हैंडपंपों में जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री बी एल उईके ने बताया कि बालाघाट, किरनापुर, लांजी, बिरसा एवं बैहर विकासखंड

की टीमों ने ग्राम चिखला, नेवरगांवकला, किरनापुर, देवलगांव, कारंजा, बापड़ी, भटेरा, अजगरा, मंडई एवं पांडूतला में पहुंचकर पेयजल स्रोतों का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान खराब पड़े हैंडपंपों को तत्काल सुधारकर चालू किया गया, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही गांवों के सभी हैंडपंपों में जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया। इस प्रक्रिया से पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं और कीटाणुओं का नाश होता है तथा डायरिया सहित अन्य जलजनित बीमारियों की आशंका कम होती है। पीएचई विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे पेयजल को हमेशा छानकर और ढककर रखें, घर एवं आसपास साफ-सफाई बनाए रखें तथा किसी भी पेयजल स्रोत में गंदगी दिखाई देने पर तत्काल विभाग को सूचना दें।

नवाचारों को डिजिटल पहचान देने वाले शिक्षकों का सम्मान

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्ट कार्यों को डिजिटल मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों को 'पोस्ट ऑफ द मंथ' सम्मान से सम्मानित किया गया। सोमवार 20 जुलाई को आयोजित विशेष समारोह में कलेक्टर मृणाल मीना (आईएएस) एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ (आईएएस) ने चयनित शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर कलेक्टर मीना

ने कहा कि विद्यालयों में किए जा रहे नवाचारों और विद्यार्थियों की उपलब्धियों को डिजिटल माध्यम से व्यापक पहचान मिलना शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सम्मान से शिक्षकों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार आता है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सराफ ने भी सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विद्यालयों की प्रेरक गतिविधियों को समाज के सामने लाने से अन्य शिक्षकों को भी नवाचार अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में कलेक्टर मीना ने शासकीय प्राथमिक शाला सुकतरा की शिक्षिका दिनेश्वरी पटले एवं शासकीय हाई स्कूल ठेमा के शिक्षक दुरगलाल रंहगडाले को उनके नवाचार के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्माकनित किया। इस दौरान बताया गया कि जिले के विद्यालयों में संचालित नवाचारी गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों और प्रेरणादायी प्रयासों को विनोबा ऐप सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साझा किया जा रहा है।

मानव को मानव से जोड़ना दि-बुद्धिस्ट सोसायटी का उद्देश्य : राजकपूर

नगर शाखा किरनापुर का पुनर्गठन

नवभारत, बालाघाट। भारतीय बौद्ध महासभा अर्थात दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के मप्र राज्य शाखा द.के अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे के निर्देश से एवं बालाघाट जिला शाखा के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम की अनुशंसा से तहसील शाखा किरनापुर के तत्वाधान में 19 जुलाई 26 को नगर शाखा किरनापुर का पुनर्गठन (निर्वाचन) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सभागृह किरनापुर (परसा टोला) में सम्पन्न

हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि आद राजकपूर कामड़े जी प्रदेश सचिव जीकेंद्रीय शिक्षक,अध्यक्षता दुरेन्द्र सावनकर जी तह अध्यक्ष एवं बौद्धाचार्य माजी श्रामनेर किरनापुर, विनय चौरे महासचिव बौद्धाचार्य माजी श्रामनेर,गौतम भीमटे तहसील कोषाध्यक्ष बौद्धाचार्य माजी श्रामनेर एवं तहसील के प्रमुख पदाधिकारी की उपस्थिति में पुनर्गठन सम्पन्न हुआ जिसमें संगठन की प्रस्तावना आद राजकपूर कामड़े जी ने रखा और बताया कि बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा स्थापित भारतीय बौद्ध महासभा जो धार्मिक संगठन है और यह आज भारत के 24 राज्यों में कार्यरत है जिसका उद्देश्य समाज में समता प्रेम शांति और मानव को मानव से जोड़ने का अभियान है, अपने उदबोधन में आद दुरेन्द्र सावनकर ने कहा कि आदर्श बौद्ध समाज की स्थापना और बौद्ध धम्म का प्रचार प्रसार है और संगठन ही समाज को जोड़ कर रख सकता है।

शिक्षा अधिकारी ने किया खुरसोड़ी एवं धनसुआ के स्कूलों का निरीक्षण

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट की विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती मोनिका पटेल ने सोमवार 20 जुलाई को शासकीय हाई स्कूल खुरसोडी एवं शासकीय उमावि धनसुआ का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन किया तथा शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रीमती

पटेल ने विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर उनके शैक्षणिक स्तर का आकलन किया और आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए नियमित अध्ययन, अनुशासन तथा सतत अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय के सभी शिक्षकों को 'हमारे शिक्षक' ऐप पर ई-अटेंडेंस समय पर एवं नियमित रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पाठ्यपुस्तकों एवं साइकिल वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित प्राचार्यों को शत-प्रतिशत एवं समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

नवीन लेखा प्रशिक्षण सत्र के लिये आवेदन की अंतिम तिथि 24 तक

नवभारत, बालाघाट। शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला जबलपुर द्वारा जबलपुर संभाग के शासकीय कार्यालयों में कार्यरत लिपिक वर्गीय कर्मचारियों से नवीन प्रशिक्षण सत्र के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई से बढ़ाकर 24 जुलाई 2026 कर दी गई है। इस प्रशिक्षण में शामिल होने के इच्छुक शासकीय सेवक 24 जुलाई तक आवेदन कर सकते है। लेखा प्रशिक्षण शाला में लेखा प्रशिक्षण का नया सत्र 1 अगस्त से प्रारंभ होगा और यह 31 अक्टूबर तक संचालित होगा।

विधानसभा में गूंजा बालाघाट का चावल घोटाला

विधानसभा परिसर में कांग्रेस विधायक दल का प्रदर्शन

1160 करोड़ के चावल घोटाले की न्यायिक जांच की मांग

नवभारत, बालाघाट। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र 2026 के प्रथम दिवस पर कांग्रेस विधायक दल ने विधानसभा परिसर में प्रदेश के किसानों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को लेकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस विधायकों ने खाद संकट,सरकारी खरीदी में अनियमितताओं, किसानों को फसल क्षति का उचित मुआवजा नहीं मिलने तथा बालाघाट जिले में राइस मिलर्स एवं एथेनॉल प्लांट संचालकों से जुड़े कथित 1160 करोड़ रुपये के चांवल घोटाले का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

विधायक अनुभा मुंजारे ने बालाघाट जिले में सामने आए कथित 1160 करोड़ रुपये के चावल घोटाले को प्रदेश के सबसे गंभीर आर्थिक मामलों में से एक बताते हुए इसकी उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि राइस मिलर्स और एथेनॉल प्लांट के संचालकों के द्वारा यह घोटाला लगभग पिछले एक दो वर्षों से कर रहे थे जिसकी परत बालाघाट के बड़े बड़े नेताओं के दामन तक जा रही है इस मामले पर उन्होंने बताया कि विधानसभा के पटल पर भी मेरे प्रश्न,ध्यानाकर्षण, शून्यकाल की सूचना लगी है यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो किसानों, शासन और जनता के साथ हुए कथित आर्थिक अपराध की सच्चाई सामने आएगी तथा दोषी मिलर्स और एथेनॉल प्लांट मालिकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई संभव होगी,मेरी ओर से

मध्य प्रदेश विधानसभा के माननीय नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार जी से इस विषय में स्थगन प्रस्ताव की बात भी की गई है जिसे जल्दी लाया जाएगा। बालाघाट विधायक ने आगे और कहा कि प्रदेश का किसान आज अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। खरीफ सीजन के बीच किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो रही है,जिससे खेती प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर फसल नुकसान के बाद भी किसानों को समय पर और उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी खरीदी व्यवस्था में कई स्तरों पर अनियमितताओं की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। यदि समय रहते इन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो किसानों का सरकारी व्यवस्था से विश्वास उठ जाएगा। उन्होंने मांग की कि समर्थन मूल्य पर खरीदी, भंडारण, परिवहन और मिलिंग प्रक्रिया की भी व्यापक जांच कराई जाए। विधायक ने किसानों को धान पर 3100 रुपए और गेहूं पर 2700 रुपए समर्थन मूल्य के चुनावी वादे को भी सरकार पूरा करे इस विषय के लिए विधानसभा में हम जोरदार आवाज उठा रहे है।

किसानों को तत्काल खाद उपलब्ध कराई जाए

कांग्रेस विधायक दल ने कहा कि किसानों के अधिकारों और हितों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को विधानसभा के भीतर पूरी मजबूती से उठाया जाएगा। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर सदन के बाहर भी लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा। विधायक अनुभा मुंजारे ने सरकार से मांग की कि किसानों को तत्काल पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए, फसल क्षति का उचित मुआवजा शीघ्र प्रदान किया जाए, सरकारी खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए तथा बालाघाट जिले के कथित 1160 करोड़ रुपये के चावल घोटाले की न्यायिक जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। किसानों को 3100 रुपए धान में और 2700 रुपए गेहूं के उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के हितों की लड़ाई पहले भी लड़ती रही है और आगे भी हर मंच पर उनकी आवाज़ बुलंद करती रहेगी। प्रदेश के किसानों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रथ यात्रा | पूर्व मंत्री ने रथ यात्रा में शामिल होकर क्षेत्रवासियों को दी बधाई

भक्तों के सैलाब ने आस्था और विश्वास का दिखाया नजारा

नवभारत, वारासिवनी। धर्म और आस्था की नगरी वारासिवनी में आज एक नया इतिहास रच गया। नगर में दुसरी बार आयोजित हुई महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथयात्रा में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का ऐसा त्रिवेणी संगम देखने को मिला कि तेज बरसात भी भक्तों के कदमों को डिगा नहीं सकी। श्रीरामलला समिति और इस्कॉन मंदिर बालाघाट के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस भव्य रथयात्रा में हजारों भक्तों ने महाप्रभु जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा के दिव्य विग्रहों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

रथयात्रा की शुरूवात से ही पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्तागण

महाप्रभु के रथ की रस्सी खींचकर धर्म लाभ लेते हुये नजर आये। पुरी यात्रा के दौरान भक्तो मे रथ को खीचनें की होड सी देखी गयी।

इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर क्षेत्र के तमाम दिग्गज जनप्रतिनिधि एक साथ रथ यात्रा में नजर आए। रथयात्रा में मुख्य रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल, पूर्व विधायक डॉ. योगेंद्र निर्मल, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, मिलिंद नगपुरे, मोनू लिमजे सहित अनेक पार्षदगण और प्रबुद्ध नागरिक शामिल हुए। जनप्रतिनिधियों ने महाप्रभु के रथ की रस्सी खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया और कहा कि ओडिशा के पुरी की तर्ज पर वारासिवनी में यह अलौकिक दृश्य देखना जीवन को धन्य करने वाला है। इस अवसर पर गुडडा भैया ने प्रतिक्रिया मे कहा की यह पर्व हमारी सनातन आस्था और लोककल्याण की भावना का प्रतिक है। महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्रजी, और माता सुभद्रा जी क्रपा से सभी क्षेत्रवासीयो के जीवन मे सुख,शांति और स्वास्थ्य की प्राप्ति अवश्य होंगीं।

नगर के श्रीकृष्ण मंदिर में पूर्ण वैदिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना, विशेष अनुष्ठान और महाआरती के बाद रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। महाप्रभु का रथ जैसे ही नगर भ्रमण पर निकला, सड़कों के दोनों ओर भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। यह भव्य रथयात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरी, जिसमें प्रमुख रूप से श्रीकृष्ण मंदिर (प्रारंभ स्थल), गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक,नेहरू चौक,जय स्तंभ चौक,दीनदयाल चौक का नाम शामिल है।

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मैं सूचनादाता नंदकिशोर पराते वल्द तुलसीराम पराते निवासी वार्ड नं. 04 वारासिवनी तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट की मॉ स्व. सारजाबाई के मालिकी व कब्जे मे मौजा वारा वारासिवनी तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट मे भूमि प.ह.न. 26/1 सर्वे क्रं. 613/9 रकबा 0.020 हे. भूमि स्थित है तथा इस संबंध मे मेरे एवं वर्षा उमाटे पति गौरीशंकर उमाटे, प्रभुदयाल उमाटे वल्द तुलसीराम उमाटे, सरस्वती बाई उमाटे पति शिवदयाल उमाटे, संदीप उमाटे वल्द शिवदयाल उमाटे, श्रीमति सुषमा बारापात्रे पति भास्कर बारापात्रे, सुनीता नंदनवार पति नरेन्द्र नंदनवार, सुशीला बारापात्रे पति सोमेन्द्र बारापात्रे के मध्य श्रीमान प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड वारासिवनी के न्यायालय में एक व्यवहार वाद चला था तथा उक्त व्यवहार वाद के विरूद्ध मेरे द्वारा उपरोक्त व्यक्तियो के विरूद्ध श्रीमान द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश वारासिवनी के न्यायालय में व्यवहार अपील संस्थित है जिसका व्यवहार अपील क्रमांक 11/2026 नंदकिशोर पराते विरूद्ध वर्षा उमाटे व अन्य है तथा उसमे स्थगन की भी मॉग की गयी है तथा अपील न्यायालय के सूचना पत्र भी उक्त व्यक्तियो को प्रेषित किये गये है किन्तु इसी बीच वर्षा उमाटे के द्वारा तथ्यो को छिपाते हुये बिना मेरी जानकारी के तहसीलदार वारासिवनी के न्यायालय मे अपना नाम राजस्व प्रलेखो मे दर्ज करवा लिया गया जिसकी अपील मेरे द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी के न्यायालय मे प्रस्तुत की जा चुकी है इस प्रकार उक्त भूमि के संबंध मे वर्तमान में अपील न्यायालय के समक्ष अपील लंबित है, तथा मुझे जानकारी प्राप्त हुयी कि वर्षा उमाटे अपने पक्ष मे कराये गये नामांतरण का लाभ लेकर तथ्यो को छिपाकर भूमि को विक्रय करने प्रयासरत है तथा सक्षम न्यायालय के समक्ष अपील लंबित होने के कारण वर्षा उमाटे के द्वारा उक्त भूमि विक्रय कर अफरा तफरी नही कर सकती है तथा यदि कोई व्यक्ति उक्त भूमि को वर्षा उमाटे पति गौरीशंकर उमाटे निवासी 126 रामेश्वरम कालोनी विवेकानंद वार्ड जबलपुर से क्रय करता है तो ऐसा क्रय प्रारंभ से ही अवैध व शून्य होगा तथा मुझे पर बंधनकारी नही होगा अत: सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति वर्षा उमाटे से उक्त भूमि कय ना करे।

अत: आम सूचना जानिए।

बालाघाट
दिनांक :- 20/07/2026

प्रेषक
नंदकिशोर पराते वल्द तुलसीराम पराते
निवासी वार्ड नं. 04 वारासिवनी
तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट
मो.नं. 9425892344